वैश्विक शिखर सम्मेलन में राजनीति, मीडिया, इंडस्ट्रीज़ और अध्यात्म जगत की हस्तियां शामिल

# सफल सामाजिक नेतृत्व में आध्यात्मिकता का समावेश आवश्यक : केंद्रीय मंत्री दुर्गादास

**शांतिवन।** सायंकालीन खुले सत्र को सम्बोधित करते हुए जनजातीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके ने कहा कि यदि हम सामाजिक परिवर्तन करना चाहते हैं तो सामाजिक नेतृत्व करने वालों को आध्यात्मिक वेत्ता होना चाहिए। स्वस्थ समाज की परिकल्पना आत्म शुद्धि के बिना नहीं हो सकती है। ब्रह्माकुमारी बहनें निश्चित रूप से एक दिन समाज में परिवर्तन लाएंगी। इनकी तप, त्याग, साधना को मैं नमन करता हूँ।

### धर्म अध्यात्म से ऊपर है

**दिल्ली से आए वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र राय को पत्रकारिता में उनके योगदान पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'राष्ट्र चेतना पुरस्कार' से नवाज़ा गया।** इस दौरान राय ने कहा कि हमारे देश में धर्म और अध्यात्म को मिलाकर जोड़ने की कोशिश की गई। लेकिन मेरा अनुभव है कि दोनों अलग-अलग है। अध्यात्म धर्म से ऊपर है। अध्यात्म सिखाता है कि जीवन में मूल्यवान को जगह देने हेतु फालतू और कम मूल्यवान चीज़ों को जो छोड़ता चला जाता है वही सही मायने में जीवन को जीता जाता है।

गुजरात वडोदरा की राजमाता शुभांगिनी राजे गायकवाड़ ने कहा कि यहां आकर बहुत शांति और खुशी का अनुभव कर रही हूँ। यहां आकर मुझे लगता है कि एक दिन अवश्य ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई ने कहा कि आध्यात्मिकता से जीवन के हर क्षेत्र में सुधार संभव है चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, पर्यावरण हो या फिर सामाजिक न्याय। आध्यात्मिकता द्वारा ही वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना को साकार रूप दिया जा सकता है।

### 'राष्ट्र चेतना पुरस्कार' से नवाज़ा

**कर्ली टेल्स की सीईओ कामिया जानी वर्मा** ने कहा कि आज यहां आकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। आपको भी विशेष कार्य पर **'राष्ट्र चेतना पुरस्कार'** से नवाज़ा गया।

### 'ज्वैल ऑफ भारत' से सम्मानित

**डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया प्रा. लि. के सीएमडी कंवलजीत जावा** ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए आपको संस्थान की ओर से **'ज्वैल ऑफ भारत पुरस्कार'** से सम्मानित किया गया।

### इन्होंने भी व्यक्त किए विचार

ऑस्ट्रेलिया में ब्रह्माकुमारीज़ के निदेशक ब्र.कु. चार्ली हॉग, रामकृष्ण मिशन नई दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वलोकानंद, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरणप्पा वैजीनाथ हाल्से, ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. सुदेश दीदी एवं नई दिल्ली पांडव भवन की निदेशिका ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने भी अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा किए। स्वागत भाषण ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक ब्र.कु. डॉ. प्रताप मिड्ढ़ा ने दिया। स्वागत नृत्य मैंगलोर के श्रीविधा मुरलीधर सौरभ संगीत नृत्य कला परिषद के कलाकारों ने पेश किया। संचालन जयपुर की ब्र.कु. चंद्रकला दीदी ने किया।

वैश्विक शिखर सम्मेलन में 'क्लाइमेट चेंज' पर राज्यपाल ने कहा...

# व्यक्ति का चरित्र भी पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत आवश्यक है

- अध्यात्म से जुड़ने पर हम समाधान की तरफ बढ़ते हैं : गहलोत
- मानव जीवन प्रकृति के पाँच तत्वों पर निर्भर करता है : चौधरी

**शांतिवन।** वैश्विक शिखर सम्मेलन में 'क्लाइमेट चेंज' विषय पर आयोजित सत्र को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था अध्यात्म के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। हम अध्यात्म से जुड़ते हैं तो सारी समस्या हमारे ध्यान में आती है और हम समाधान की तरफ बढ़ते हैं। हम भी सुधरते हैं और दूसरों को भी सुधारने का प्रयास करते हैं। मैं आपका भी आह्वान करता हूँ कि प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी दिशा में कार्य कर रहा है अध्यात्म से जुड़े।

### घर-घर में मेडिटेशन सेंटर खोलने की ज़रूरत

**भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के एडिशनल सेक्रेट्री सुधीर कुमार बरनवाल ने कहा कि हम भौतिक संसाधन, सुविधाएं बढ़ाने का तो ध्यान रखते हैं लेकिन कोई माइंड, मन को स्वस्थ रखने के बारे में ध्यान नहीं रखता है। आज घर-घर में मेडिटेशन सेंटर खोलने की ज़रूरत है। मैं खुद पिछले 15 साल से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रहा हूँ। मैंने अपने जीवन में मेडिटेशन के अनेक फायदे महसूस किए हैं।**

राज्यपाल ने कहा कि व्यक्ति का चरित्र भी पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत आवश्यक है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा महान कार्य किया जा रहा है। यहां आकर हमें सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

### प्रकृति संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास ज़रूरी

केंद्रीय राज्य जल शक्ति मंत्री राजभूषण चौधरी ने कहा कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के पाँच तत्वों पर निर्भर करता है। हमारी सनातन परंपरा में प्रकृति पूजन व संरक्षण की भी परंपरा रही है। हमारी ये प्रवृत्ति समाप्त हो रही है, जिसका दुष्परिणाम हम देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियान से हम क्लाइमेट चेंज के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं।

### राष्ट्र चेतना पुरस्कार

**ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ओडिशा के प्रतिदिन टीवी व समाचार पत्र मैनेजिंग डायरेक्टर सुधीर कुमार पंडा को 'राष्ट्र चेतना पुरस्कार' से राज्यपाल गहलोत द्वारा सम्मानित किया गया।**

### इन्होंने भी रखे विचार...

ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई एवं डेनमार्क की निदेशिका सोंजा ओहल्सन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन ब्र.कु. श्रीनिधि भाई ने किया।

वैश्विक शिखर सम्मेलन के शुभारंभ के लिए आईं राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारीज़ के मानसरोवर परिसर में संस्थान के वरिष्ठ भाई-बहनों से अनौपचारिक बातचीत में कहा...

# विश्व को आज शांति की ज़रूरत है, साथ ही मानसरोवर में वृक्षारोपण भी किया

**शांतिवन-मानसरोवर।**
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन के मान सरोवर पहुंचीं और संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की।

अनौपचारिक चर्चा में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वर्तमान में जो विश्व के हालात चल रहे हैं ऐसे में शांति की बहुत जरूरत है। शांति से हर समस्या का हल निकाला जा सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में हर इंसान के लिए आध्यात्मिकता ज़रूरी है। आध्यात्मिक ज्ञान हमें जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों में सबल प्रदान करता है और कमजोर नहीं पड़ने देता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी और राजयोगिनी जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी व अन्य वरिष्ठ सदस्यों से उनकी कुशलक्षेम पूछी।

राष्ट्रपति के साथ अनौपचारिक बातचीत के पश्चात् समूह चित्र में संस्थान के वरिष्ठ भाई-बहनें।

3 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का सायंकाल में आगमन हुआ और संस्थान के मानसरोवर में रात्रि विश्राम किया। अगले दिन अल सुबह 3 बजे ब्रह्ममुहूर्त में जागकर उन्होंने 1 घंटे तक ज्योति बिंदू स्वरूप परमपिता शिव परमात्मा का ध्यान किया। राष्ट्रपति के मान सरोवर पहुँचने पर कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, सिक्योरिटी के प्रभारी कर्नल सती सिंह, आवास - निवास के प्रभारी ब्र.कु. देव भाई, वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. अवतार भाई सहित वरिष्ठ बीके भाई-बहनों ने स्वागत किया।

मानसरोवर परिसर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा रुद्राक्ष का पौधा रोपित किये जाने के पश्चात् उनके साथ उपस्थित हैं संस्थान की ग्रामीण प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. राजेन्द्र भाई, ब्र.कु. ललन भाई, ब्र.कु. हरीश भाई तथा ब्र.कु. चंद्रेश भाई।

# आध्यात्मिकता से समाज में स्वच्छता

-पेज 1 का शेष...

ज़रूर लगाएं तो परिस्थिति में सुधार आएगा।

### राष्ट्रपति का संदेश: स्वच्छ मन और तन के लिए प्राकृतिक और यौगिक खेती को बढ़ावा

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार देशवासियों के लिए स्वच्छ मन और तन के लिए कई प्रयास कर रही है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि सरकार द्वारा जीवामृत और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती से स्वच्छ अन्न, और स्वच्छ अन्न से स्वच्छ मन की कड़ी बनती है। जैसे ब्रह्माकुमार भाई-बहनें यौगिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और खुद भी यौगिक खेती करते हैं। इसलिए कहा जाता है कि जैसा अन्न, वैसा मन। आप जैसा अन्न खाएंगे, वैसी ही मानसिकता बनेगी।

### स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ : सरकार के प्रयासों से हर घर को स्वच्छ जल और स्वास्थ्य सुविधाएं

उन्होंने कहा कि भारत सरकार देशवासियों के स्वच्छ और स्वस्थ जीवन के लिए अनेक प्रयास कर रही है। स्वच्छ भारत मिशन के हाल ही में दस वर्ष पूरे हुए हैं। इस मिशन ने समाज में स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ाई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर में स्वच्छ जल मुहैया कराने का संकल्प लिया गया है। 78 फीसदी से अधिक ग्रामीण घरों में नल से स्वच्छ जल पहुंचाया जाता है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्वच्छ जल न केवल स्वच्छता बल्कि सम्पूर्ण शरीर के लिए आवश्यक है। पिछले महीने में 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत के तहत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला लिया गया है। इन प्रयासों को सफल बनाने में जन भागीदारी का महत्वपूर्ण स्थान है।

### ब्रह्माकुमारीज़ का वैश्विक शिखर सम्मेलन... आंतरिक शांति से समाज में सकारात्मक बदलाव की ओर एक कदम

राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ जैसे आध्यात्मिक संस्थानों की शिक्षा और योग हमें आंतरिक शांति का अनुभव कराती है। यह शांति न केवल हमारे भीतर बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखती है। इस वैश्विक शिखर सम्मेलन में बहुत सारे सत्र आएंगे, जो विश्व को स्वस्थ और स्वच्छ बनाने में लाभदायक होंगे। इन सत्रों में विश्व शांति के नए रास्ते निकल कर सामने आएंगे। जब हम अपने भीतरी स्वच्छता की पहचान पाने में सक्षम होंगे तभी हम एक स्वच्छ-स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दे पाएंगे। ब्रह्माकुमार भाई-बहनें समाज को स्वच्छ-स्वस्थ बनाने और विश्व में शांति स्थापना का प्रयास कर रहे हैं। ये प्रयास 1937 से जारी है। मुझे लगता है कि एक दिन ज़रूर विश्व का परिवर्तन होगा।

### दिव्य गुणों के संकल्प से स्थापित होगी विश्व शांति

- अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले कि हम अपने जीवन में दिव्य गुणों की धारणा करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में परमात्मा इस धरा पर विश्व शांति की स्थापना का कार्य कर रहे हैं।
- अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि शिव शक्ति ही दुनिया में स्वस्थता, स्वच्छता और शांति स्थापन कर सकती है। साथ ही उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन कराकर शांति की गहन अनुभूति कराई।
- संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि आज विश्व के हालात अच्छे नहीं हैं, ऐसे में यह सम्मेलन विश्व को शांति, अध्यात्म और एकता का संदेश देगा।
- कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने राष्ट्रपति का नारी शक्ति के रूप में दूसरी बार मुख्यालय शांतिवन में आगमन पर उनका हार्दिक स्वागत किया। साथ ही उन्होंने राज्यपाल सहित उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. शिविका बहन ने किया। इस मौके पर देश-विदेश से आए पाँच हज़ार से अधिक लोग मौजूद रहे।